FA	1

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : 8 **विषय :** हिन्दी

Paper Code : 8011 **पूर्णांक :** 10

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ'

(अंक 05)

LO – L-802 - हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझ कर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

विज्ञापन की समझ

गतिविधि –(1) समाचार में छपने वाले विज्ञापन की सार्थकता पर अपनी राय व्यक्त करना।

उदाहरण – समाचार पत्रों में छपे कोचिंग संस्थान, कपड़े, हानिकारक, पदार्थों, आयोजनों, प्रदर्शनी, यात्रा, संचार, मोबाइल, वाहन आदि के विज्ञापनों की कटिंग।

निर्देश – (1) शिक्षक एक से अधिक समाचार पत्रों में छपे विभिन्न विज्ञापन की कटिंग छात्रों को समूह में वितरित करेगें।

(2) विज्ञापन, छात्रों और उनके परिवार/आस–पास प्रयोग होने वाली चीजों से संबंधित होना चाहिए।

(3) विज्ञापन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर बच्चे चर्चा करेंगे।

(4) चर्चा उपरांत प्रत्येक छात्र किसी एक विज्ञापन पर अपनी राय पूरी कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(5) इस दौरान शिक्षक और कक्षा के अन्य विद्यार्थीगण शांति पूर्वक प्रस्तुति को सुनेंगे।

(6) छात्रों को विज्ञापन देखने तथा आपस में चर्चा करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए।

(7) प्रत्येक छात्र को अपनी राय रखने का अवसर दिया जायेगा।

पठित कहानी की समीक्षा

गतिविधि —(2) प्रेमचंद की किसी एक कहानी को पढ़कर मनपसंद पात्र/पात्रों के बारे में चर्चा करना।

उदाहरण — पंचपरमेश्वर, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, पूस की रात या प्रेमचंद की कोई अन्य कहानी।

निर्देश — (1) शिक्षक प्रेमचंद की कोई एक कहानी स्वयं पढ़कर कक्षा में सुनाएंगे अथवा यदि संभव हो तो बच्चों को पढ़ने के लिए देंगे।

(2) सुनने/पढ़ने के बाद छात्रों से उनके मनपसंद पात्र/पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहेंगे।

(3) छात्र अपने मनपसंद पात्र/पात्रों के गुण/अवगुण को पूरी कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेगे।

(4) कक्षा के प्रत्येक छात्र को प्रस्तुति का अवसर उपलब्ध हो, शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे।

इन्टरनेट का इस्तेमाल

गतिविधि —(3) इंटरनेट की सहायता से प्राप्त जानकारी की समीक्षा करना।

उदाहरण — इंटरनेट से प्राप्त लेख/ब्लॉग/पेज/प्रिंट समाग्री।

निर्देश — (1) शिक्षक इंटरनेट से समाग्री की तलाश करने के तरीके बच्चों को बताएंगे। इस काम के लिए मोबाइल/टेबलेट का उपयोग करेंगे।

(2) समाग्री तलाश करने हेतु विभिन्न सर्च इंजन का प्रयोग किया जा सकता है।

(3) शिक्षक विभिन्न समाग्रियों यथा कवि परिचय, लेखक परिचय, जानकारी परक लेख, रोचक जानकारी आदि मोबाइल में सेव/डाउनलोड करके बच्चों को दिखाएंगे। अगर संभव हो तो, प्रिंट आउट दिया जा सकता है।

(4) बच्चें जानकारी पढ़कर विभिन्न बिन्दुओं पर अपनी प्रतिक्रिया देंगे।

(5) बिन्दुओं का निर्धारण शिक्षक अपने स्तर पर करेंगे।

(6) बच्चों को प्रतिक्रिया हेतु अलग–अलग बिन्दु दिए जाएँ, ऐसा प्रयास किया जाएगा।

खण्ड – ब

05 अंक

LO-L-806-विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे-जाति, धर्म,रंग, जेंडर, रीति-रिवाशों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।

संवेदनशील मुददो की तार्किक समझ

गतिविधि –(1) विभिन्न संवेदनशील मुद्दों अथवा उन पर आधारित विज्ञापनों पर मित्रों, अध्यापकों या परिवार के सदस्यों से चर्चा/बातचीत करना।

उदाहरण – समाज में व्याप्त किसी समस्या के बारे में कक्षा में चर्चा।

निर्देश – (1) शिक्षक कक्षा में सभी बच्चों को सामूहिक रूप से एक समस्या सुनाते हैं जैसे– ''प्राय देखा जाता है, कि समाज में लोग कद–काठी, रंग–रूप, चाल–ढाल आदि पर व्यंग्य तथा उपहास करते है।''

(2) समस्या सुनाने के बाद शिक्षक बच्चों को तीन–तीन या चार–चार बच्चों के समूह में बांटकर चर्चा करने को कहेंगे।

(3) चर्चा उपरांत प्रत्येक समूह से निम्न बिन्दुओं पर प्रस्तुति (मौखिक) देने को कहेंगे –

(अ) सामान्यतः कद–काठी, रंग–रूप और चाल–ढाल में अलग लोगों का क्या कहकर उपहास किया जाता है?
(ब) क्या इस तरह का व्यवहार उचित है?(क्यों)

(स) इस तरह का व्यवहार रोकने के लिए क्या किया जा सकता है?

(4) चर्चा उपरांत प्रत्येक छात्र किसी एक विज्ञापन मुद्दे पर अपनी राय पूरी कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(5) इस दौरान शिक्षक और अन्य विद्यार्थीगण कक्षा में शांति पूर्वक प्रस्तुति को सुनेगें।

(6) छात्रों को विज्ञापन देखने तथा आपस में चर्चा करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए।

(7) प्रत्येक छात्र को अपनी राय रखने का अवसर देवें।

रीति रिवाजों एवं त्यौहारों की समझ

गतिविधि —(2) विभिन्न रीति–रिवाजों के बारे में मित्रों अध्यापकों या परिवार के सदस्यों से प्रश्न करेंगे, एवं त्यौहारों को मनाने के तरीकों की विस्तृत समझ हासिल करेंगे।

उदाहरण – दशहरा, दीवाली, होली, पोला, तीज, ईद, क्रिसमस आदि त्यौहारों के मनाए जाने के तरीके पर चर्चा।

निर्देश — (1) शिक्षक बच्चों की मद्द से क्षेत्र में प्रचलित त्यौहारों की सूची तैयार करवाऐंगे।

(2) शिक्षक कक्षा के छात्रों को उनके घर में या आस–पास मनाए जाने वाले किसी एक त्यौहार के बारे में अपने परिवार तथा आस–पास के लोगों से बातचीत करके आने को कहेंगे।

(3) छात्र जानकारी के साथ उपस्थित होंगे तथा कक्षा में त्यौहार के बारे में बताएंगे। साथ ही उस त्यौहार के बारे में अपनी पसंद–नापसंद खुलकर कारण सहित रखेंगे।

(4) शिक्षक इस बातचीत को विस्तारित वार्तालाप का स्वरूप देते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का मौका मिले।

रीति रिवाजों की तार्किक समझ

गतिविधि — (3) समाज में फैली कुरीतियों/रिवाजों के बारे में चर्चा करना तथा अपने विचार रखना।

उदाहरण – समाज में व्याप्त प्रथाओं/रिवाजों जैसे पर्दाप्रथा, बलिप्रथा, दहेजप्रथा, अंध विश्वास आदि पर शिक्षक एवं साथियों से चर्चा करना तथा अपने विचार रखना।

निर्देश — (1) शिक्षक समाज में व्याप्त कुछ प्रथायों या रिवाजों के बारे में पठन समाग्री छात्रों को देंगे।

(2) छात्र समूह में उस पठन समाग्री को पढ़कर आपस में चर्चा करेगें तथा अपने विचार रखेंगे।

(3) शिक्षक इस पूरे कार्य की निगरानी करेंगे एवं यह सुनिश्चित करेंगे कि समूह के हर बच्चे को अभिव्यक्ति के समान अवसर मिले, जिससे वह अपने विचार स्वतंत्र रूप से रख सके।

टीप : — अभिव्यक्ति कौशल, चिंतन, तर्कशक्ति, समझ, शब्द भंडार आदि को देखते हुए आवश्यकता अनुसार 1—1 अंक दिये जाये।